सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 61 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 अप्रैल, 2022
मूल्य ₹ 3/-

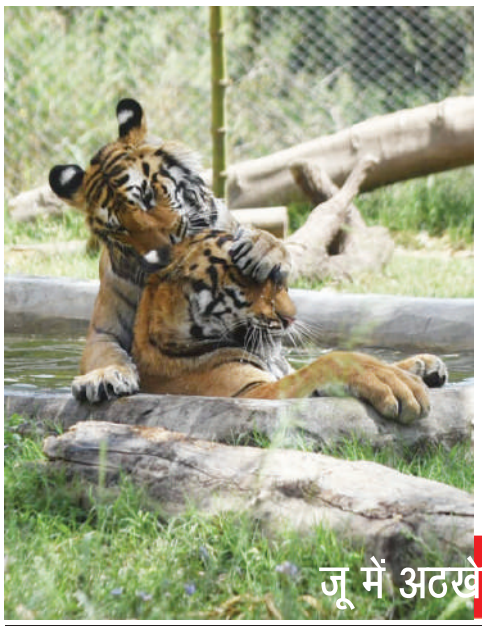

जू में अठखेलियां करते दिखे...

पहले कठिन काम पूरे कीजिये। आसान काम खुद-ब-खुद पूरे हो जायेंगे।

-डेल कार्नेगी

8 संकल्प पत्र को जमीन पर उतारने... 3 गोरखनाथ मंदिर के सुरक्षाकर्मियों... 7

लखीमपुर कांड पर सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी का खुलासा

यूपी सरकार से दो बार की थी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करवाने की सिफारिश

» केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष पर है किसानों को गाड़ी से कुचलने का आरोप

» पीड़ितों ने हाईकोर्ट से मिली जमानत को रद्द करने की मांग वाली याचिका की थी दाखिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। शीर्ष अदालत ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान जांच के लिए गठित एसआईटी ने अपना पक्ष रखा। एसआईटी ने कहा कि हमने किसानों को कुचलने के आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करवाने के लिए यूपी सरकार से दो बार कहा था। वहीं यूपी सरकार की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने कहा कि मैं मानता हूं कि यह जघन्य अपराध है लेकिन आरोपी आशीष मिश्रा के भागने का खतरा नहीं है इसलिए अदालत सरकार की ओर से निश्चिंत रहें। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

यूपी सरकार के वकील ने कहा कि हमने इस मामले की जांच कर रही एसआईटी की रिपोर्ट प्राप्त की है जिसे राज्य सरकार को भेज दिया गया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने कहा कि आपने ये नहीं बताया कि चिट्ठी कब लिखी गई थी और ये ऐसा मामला नहीं है जिसमें आप इतना इंतजार करें। लखीमपुर हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत के मामले में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। वहीं एसआईटी ने कोर्ट को बताया कि उसने यूपी सरकार से दो बार सिफारिश की थी कि वह आशीष मिश्रा की जमानत को रद्द कराए। यह भी कहा कि सबूत इस बात की पुष्टि करते हैं कि आशीष उस जगह पर थे, जिसमें आठ लोग मारे गए थे। इस मामले में चीफ जस्टिस एनवी रमन, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की विशेष पीठ ने 30 मार्च को यूपी सरकार से उन रिपोर्ट पर जवाब मांगा था, जिनमें एसआईटी ने जमानत रद्द करने का सुझाव दिया था। कोर्ट ने पाया कि एसआईटी ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को दो पत्र लिख कर मामले के मुख्य आरोपी की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का सुझाव दिया था। तब यूपी सरकार के वकील महेश जेठमलानी ने पीठ को सूचित किया था कि उन्हें कोई पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। हालांकि इससे पहले यूपी सरकार ने अदालत को बताया कि उसने आशीष मिश्रा की जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित सरकार ने भी माना गंभीर अपराध

गवाहों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सुनवाई के दौरान यूपी सरकार के वकील ने कहा कि हमें शुक्रवार को एसआईटी की रिपोर्ट मिली है और इसे राज्य सरकार के पास भेजा गया है। हम हलफनामे पर भरोसा कर रहे हैं। हमने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जो कहा, वही कह रहे हैं। हमने एक हलफनामा दायर किया है जिसमें कहा गया है कि गवाहों को व्यापक सुरक्षा प्रदान की गई है। हमने सभी 97 गवाहों से संपर्क किया है और उन सभी ने कहा कि कोई खतरा नहीं है।

क्या है मामला

बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया इलाके में कुछ किसान यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। इस दौरान तेज स्पीड में एक एसयूवी कार ने कुछ किसानों को कुचल दिया था, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद हिंसा भड़क गई। गुस्साए किसानों ने एक ड्राइवर और भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि जिस कार से किसानों को कुचला गया, उसे आशीष मिश्रा चला रहा था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी थी। एसआईटी की जांच के बाद आशीष को गिरफ्तार कर लिया गया था।

कर्मचारी के मौत मामले में फरार एसडीएम सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के लालगंज तहसील में नायब नाजिर सुनील कुमार शर्मा की एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम द्वारा पिटाई से मौत के मामले में एसडीएम पर सख्त कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले को संज्ञान में लेते हुए फरार चल रहे आरोपी एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया है। घटना के विरोध में कलेक्ट्रेट और तहसील में तालाबंदी करके प्रदर्शन किया जा रहा है।

एसडीएम की पिटाई के चलते नायब नाजिर सुनील शर्मा की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में एसडीएम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के बाद से ही एसडीएम फरार चल रहे हैं। सीएम के आदेश के बाद निलंबन की कार्रवाई होने पर उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, मृतक तहसीलकर्मी के शरीर में नौ जगहों पर चोट के निशान मिले। उसके फेफड़े में इंफेक्शन हो गया था। 31 मार्च को मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकीय परीक्षण में भी सुनील शर्मा के शरीर में आठ जगहों पर चोटों के निशान मिले थे, जिसमे डंडे से चोट के निशान संग सूजन व पीलापन दर्शाया गया था।

नायब नाजिर को बेरहमी से पीटने का है आरोप, सीएम योगी ने दिए निर्देश

बेलगाम महंगाई पर बिफरा विपक्ष, राज्य सभा में हंगामा

» चर्चा की मांग खारिज होने पर विपक्षी सांसदों ने जताया विरोध

» कार्यवाही रही बाधित सरकार पर लगातार हमलावर है विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर विपक्ष संसद से सड़क तक केंद्र सरकार को घेर रही है। आज भी राज्य सभा में महंगाई को लेकर विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्षी दलों ने राज्य सभा में महंगाई के मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी। विपक्ष के कई सांसदों ने बढ़ती कीमतों को लेकर राज्य सभा के सभापति वेंकैया नायडू को चर्चा के लिए नोटिस दिया था। हालांकि, नायडू ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके चलते विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। बढ़ते हंगामे को देख राज्य सभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। केरल से सीपीआई के राज्य सभा सांसद बिनाय विस्वास ने महंगाई पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। उन्होंने राज्य सभा में नियम 267 के तहत पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और केरोसिन की कीमतों में वृद्धि पर निलंबन का नोटिस दिया। वहीं टीएमसी के राज्य सभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने महिला आरक्षण विधेयक को पेश करने के लिए नोटिस दिया।

14 दिन में 12वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल और डीजल की कीमत में 40 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। देश में 14 दिनों में 12वीं बार पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि की गई है। इस तरह अब तक कुल 8 रुपए 40 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।

झूठे विज्ञापनों और भाषणों से कब तक छुपाएंगे नाकामियां : अखिलेश

» प्रदेश को अपराध प्रदेश बनाने की प्रक्रिया चालू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की दूसरी पारी में भी प्रदेश को अपराध प्रदेश बनाने की प्रक्रिया चालू है। भाजपा प्रदेश में अराजकता और अव्यवस्था को इसीलिए बढ़ावा देती है ताकि लोग असुरक्षा में तनावपूर्ण जिंदगी जीने को बाध्य हों। अखिलेश ने एक बयान में कहा कि गाजियाबाद, बुलन्दशहर, आगरा में दिनदहाड़े लूट की घटनाएं हो रही हैं। झूठे विज्ञापनों और भाषणों से भाजपा नाकामियां ढकने का काम कर रही है लेकिन सच को कब तक छुपाएंगे? जनता जानती है कि सत्ता संरक्षित अपराधी ही जब खुलेआम वारदातें कर रहे हैं तो उन पर लगाम कौन लगाएगा? लॉकर तक से चोरी हो रही है।

अब जनता बैंक लॉकर में रखे जरूरी कागजात और जेवर की सुरक्षा को लेकर भी बेहद चिंतित है। गाजियाबाद में पुलिस की नाक के नीचे पंजाब नेशनल बैंक में हुई लूट सांठगांठ की घंटी बजा रही है। बैंक से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित कोतवाली स्थित है। फिर भी पुलिस 20 मिनट देरी से पहुंची। लुटेरे बैंक में 15 मिनट रहे और दो पुलिस चौकियों के बीच

आराम से लूट के लाखों रुपये लेकर फरार हो गए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा राज में न कानून का डर है न पुलिस का खौफ, प्रदेश में सिर्फ जंगलराज है। जिस सरकार में बैंक तक सुरक्षित नहीं वहां आम आदमी की सुरक्षा का प्रश्न ही बेमानी है। भाजपा जिस तरह प्रशासन को पंगु बना रही है, उससे सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? प्रदेश में बढ़ रही अराजकता के लिए भाजपा अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती है।

'रोज बढ़ते है तेल के दाम और भाजपाई चुप'

इससे पहले तेल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। मूल्य वृद्धि का आंकड़ा बताते हुए उन्होंने कहा कि सात महीने बाद पेट्रोल 275 रुपये लीटर हो जाएगा और ये भाजपाई महंगाई का गणित है। ताजा अपडेट के मुताबिक राजधानी लखनऊ में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 103 रुपए है जबकि डीजल का भाव 93.87 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस और सपा समेत विभिन्न दल सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन भी किया था। सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर महंगाई को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट किया जनता कह रही है कि 80 पैसे प्रतिदिन या लगभग 24 रुपये महीने के हिसाब से पेट्रोल के दाम यूं ही बढ़ते रहे तो अगले जो चुनाव नवंबर-दिसंबर में होंगे, इस बीच सात महीने में दाम लगभग 175 रुपये बढ़ जाएंगे मतलब आज के 100 रुपये लीटर से बढ़कर पेट्रोल 275 रुपये लीटर हो जाएगा।

गांवों में रात्रि विश्राम कर योजनाएं पूरी कराएं अफसर : स्वतंत्र देव

» जलशक्ति विभाग की जिम्मेदारी संभालते ही एक्शन में मंत्रीजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

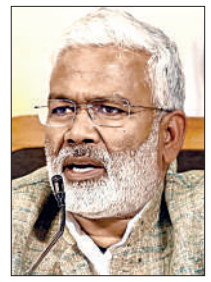

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जलशक्ति विभाग का जिम्मा संभालने के बाद से मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह लगभग हर दिन अधिकारियों के साथ बैठक कर कामकाज की समीक्षा कर रहे हैं। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि अधिकारी-कर्मचारी अपने काम से छवि बदलें। जिन जिलों में योजनाएं चल रही हैं, वहां गांवों में कैंप करें, रात्रि विश्राम कर निगरानी करें और समय से योजनाएं पूरी कराएं। स्वतंत्रदेव सिंह ने जल निगम सभागार में कहा कि हमें अथक परिश्रम से विभाग की छवि को बदलना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमें हर घर नल योजना के जरिए गरीबों के घर तक स्वच्छ पेजयल पहुंचाने का सौभाग्य दिया है। इस अवसर से चूकना नहीं चाहिए। कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि योजनाओं की रफ्तार और गुणवत्ता में अगर किसी तरह का रोड़ा आ रहा है तो अफसर बताएं। उसका तत्काल समाधान किया जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने निर्देशित किया कि जल्द ही अफसरों की सूची तैयार कर लें, ताकि उन्हें योजनाओं वाले गांवों में कैंप के लिए भेजा जा सके। उन्होंने बरसात से पहले आर्सेनिक और संचारी रोगों से प्रभावित गांवों को प्राथमिकता के आधार पर लेकर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सपा में शिमला जैसा माहौल, सभी ठंडे पड़े : भूपेंद्र

» सरकार की योजनाओं को गिनाने के साथ ही विपक्ष पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने बिलारी में बिजनौर-मुरादाबाद स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सत्यपाल सैनी के समर्थन में वोट मांगे। सभा में उन्होंने ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों, सभासदों और जिला पंचायत सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने सरकार की योजनाओं को गिनाने के साथ ही विपक्ष पर भी निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस और बसपा का कोई प्रत्याशी चुनाव में नहीं है। रही बात सपा की तो विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद उसकी गर्मी ठंडी पड़ गई है। समाजवादी पार्टी में शिमला जैसा वातारण बन गया है।

कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सभी मतदाताओं से बात करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबका साथ सबका विकास की नीयत है। बोले, मुरादाबाद जिले में 6 में से भाजपा ने केवल एक ही विधानसभा सीट जीती है, यह पार्टीजनों के लिए समीक्षा और आत्ममंथन करने का विषय है। इसके बावजूद भाजपा सरकार ने मुरादाबाद

को बहुत आदर सम्मान दिया है। यहां से डा. जयपाल सिंह व्यस्त, मैं स्वयं, गोपाल अंजान एमएलसी हैं। आप सबके सहयोग से सतपाल सैनी चौथे एमएलसी बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी एक समान है। कोई भी योजना हो सभी के लिए है क्योंकि भाजपा सरकार का नारा है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास। मतदाताओं से अपील की कि विधान परिषद में भाजपा को ताकत देने के लिए शत प्रतिशत वोट दें ताकि विधान परिषद में विकास संबंधी योजनाओं में कोई बाधा नहीं आने पाए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंचायतों में हम सशक्त हैं। भाजपा सरकार का प्रयास है कि सभी गांव आदर्श हों और विकसित हों इसमें आप सब का भी सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पंचायत चुनाव निष्पक्ष शांतिपूर्वक और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराए।

बलिया के डीएम और एसपी को बर्खास्त करो : संजय सिंह

» बढ़ते पेट्रोल के दाम पर आप सांसद ने सरकार पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में बढ़ते तेल के दाम को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। प्रतिदिन तेल के दाम में इजाफा देखने को मिल रहा है। अब तक तेल के दाम करीब नौ रुपए बढ़ चुके हैं। आप नेता संजय सिंह ने अप्रैल फूल और कमल के फूल का जिक्र कर सरकार पर ताना मारा है। आप सांसद संजय सिंह ने ट्विटर पर पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम की खबर को शेयर करते हुए लिखा है कि एक दिन मूर्ख बनाने को अप्रैल फूल कहते हैं। हर दिन मूर्ख बनाने को कमल का फूल कहते हैं।

आप नेता संजय सिंह के इस ट्वीट पर अब लोग भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पुनीत खंडेलवाल ने लिखा कि दिल्ली में वैट घटा दो, पेट्रोल सस्ता हो जाएगा। कपिल कपूर नाम के यूजर ने लिखा कि इलेक्शन से पहले 300 यूनिट मुफ्त देने का वादा और बाद में पैसे ना होने का बहाना, इसको क्या कहेंगे। संजीव नाम के यूजर ने लिखा कि अब तो रोड पर उतरकर विरोध तो करना ही चाहिए सर, जनता को दिखे कौन उनके साथ है। आप नेता ने अपनी सोशल मीडिया हैंडल के जरिए योगी आदित्यनाथ सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि योगी कपासन वीक है इसलिए यूपी में पेपर लीक है। उन्होंने आगे लिखा कि योगी आदित्यनाथ, बलिया के डीएम और एसपी को तुरंत बर्खास्त करो। पत्रकारों पर ऐसा जुल्म लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की हत्या है। संजय सिंह के ट्वीट पर विपिन नाम की एक ट्विटर हैंडल से लिखा गया कि परिषदीय माध्यमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की परीक्षाओं का तो मजाक बना दिया गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा के प्रति शिवपाल की बढ़ती नजदीकियां सपा के लिए सिरदर्द

शिवपाल यादव को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाकर सपा के खिलाफ बड़ा रणनीतिक दांव चल सकती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रहे घटनाक्रम ने भाजपा के लिए चरखा दांव की नई जमीन तैयार कर दी है। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव की सत्ता खेमे से बढ़ रही नजदीकियों के बाद माना जा रहा है कि भाजपा नितिन अग्रवाल की तरह ही शिवपाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाकर सपा के खिलाफ बड़ा रणनीतिक दांव चल सकती है। इस बात से सपा परेशान है।

अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच लंबी चली खींचतान पर इस विधानसभा चुनाव में विराम लगता नजर आया। अलग पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) बनाने वाले शिवपाल

अपने भतीजे व सपा मुखिया से कुछ सीटों के लिए बातचीत करते रहे, लेकिन अंतत: अखिलेश ने सिर्फ एक ही सीट उनके लिए छोड़ी। उसके बाद प्रसपा अध्यक्ष परिवार में सब कुछ ठीक और परिवार की एकजुटता का संदेश देते रहे, लेकिन चुनाव परिणाम के बाद परिस्थितियां फिर पहले जैसी होती महसूस हो रही हैं। अखिलेश ने सपा विधायक दल की बैठक बुलाई, लेकिन उसमें शिवपाल को नहीं बुलाया, जबकि वह सपा के टिकट पर ही जसवंत नगर से चुनाव जीते हैं। इसके बाद जब सहयोगी दलों की बैठक का न्यौता पहुंचा तो प्रसपा मुखिया उसमें नहीं पहुंचे। इसी बीच चर्चा शुरू हुई कि शिवपाल ने दिल्ली में भाजपा के कुछ नेताओं से भेंट की है। वह बेशक पुष्ट नहीं हुई, लेकिन यहां लखनऊ में वह जरूर मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे और योगी आदित्यनाथ से मिले। इधर, शिवपाल ने ट्विटर पर भी प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी को फालो करना शुरू कर दिया।

संकल्प पत्र को जमीन पर उतारने की तैयारी में सरकार, केंद्रीय योजनाओं पर भी फोकस

» नए बजट में मुफ्त सिलेंडर, राशन व किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की मिल सकती है सौगात

» वित्त वर्ष 2022-23 के बजट प्रस्तावों को तैयार करने में जुटे विभाग, प्राथमिकताओं पर मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में प्रचंड बहुमत से साथ सत्ता में लौटी भाजपा अब अपने संकल्प पत्र को जमीन पर उतारने की तैयारी में जुट गयी है। नये बजट में संकल्प पत्र और केंद्रीय योजनाओं की छाप दिखाई देगी। इसमें मुफ्त सिलेंडर, राशन और किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की सौगात मिल सकती है। प्रस्तावों को तैयार करने में विभाग जुटे हैं और प्राथमिकताओं पर मंथन किया जा रहा है।

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में विभागों को शीर्ष स्तर से कुछ प्रमुख बातों को ध्यान में रखकर बजट प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। मसलन, पिछले वर्षों में जिन योजनाओं में बजट प्रावधान अधिक किया जाता रहा है लेकिन बड़ी राशि खर्च नहीं हो पाती है, वहां कम आवंटन का प्रस्ताव किया जाए। जहां आवंटन कम होता है लेकिन बीच में अधिक राशि की आवश्यकता के लिए पुनर्विनियोग (एक मद में प्रावधानित राशि में बचत की दशा में दूसरे मद में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता पर आवंटन) की आवश्यकता होती है, वहां आवश्यकतानुसार आवंटन बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा ऐसी योजनाओं पर पुनर्विचार करने को कहा गया है जहां भारी भरकम राशि खर्च नहीं हो पा रही है। इसके अलावा सभी विभागों को ज्यादा से ज्यादा रोजगारपरक योजनाएं तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा सभी विभाग लोक कल्याण संकल्प पत्र में अपने-अपने विभाग से संबंधित वादों को चिह्नित कर प्राथमिकताएं तय कर रहे हैं। देखा जा रहा है कि किस वादे को पहले ही बजट में पूरा किया जाना जरूरी है।

अधूरे प्रोजेक्ट को प्राथमिकता

सड़क, बिजली, हर घर जल, मेट्रो व पूर्व घोषित चार एक्सप्रेसवे जैसे अधूरे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक बजट प्रावधान तय है। साथ ही लोक कल्याण संकल्प पत्र में शामिल उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वर्ष में दो गैस सिलेंडर देने के वादे को पहले ही बजट में शामिल करने की तैयारी है। राज्य सरकार ने मुफ्त राशन भी अगले तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। इस पर आने वाले खर्च की व्यवस्था होगी। किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली की सौगात भी पहले ही बजट में मिल सकती है।

गंगा किनारे प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन

केंद्र सरकार ने राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित कार्यों के लिए एक लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रदेश को इसमें से 15 से 17 हजार करोड़ रुपये मिल सकता है। इससे संबंधित प्रस्ताव बजट का हिस्सा हो सकता है। इसी तरह पीएम गतिशक्ति योजना का केंद्रीय बजट में ऐलान किया गया है। सरकार इस योजना को यूपी में क्रियान्वित कर अधिकाधिक लाभ लेने के प्रयास में है। गंगा किनारे पांच किलोमीटर के दायरे में प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन का भी केंद्र ने ऐलान किया है। यूपी सरकार इसका भी फायदा उठाना चाहती है। किसानों की खेती में ड्रोन के उपयोग को बढ़ाने के लिए नई योजना आ सकती है। डिजिटल यूनिवर्सिटी का प्रस्ताव भी नए बजट का हिस्सा हो सकता है।

यूपी : बेसहारा गोवंश के लिए बनेगी सफारी

» योगी सरकार लाखों किसानों को देने जा रही बड़ा तोहफा

» सफारी में होगी हर तरह की सुविधाएं

» निराश्रित गोवंशी संरक्षण योजना फेल होने पर लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बेसहारा गोवंश के सहारा के लिए उत्तर प्रदेश में गो सफारी बनाई जाएगी। प्रमुख सचिव पशुधन ने सरकार को प्रस्ताव बनाकर दे दिया है। इसके तहत प्रदेशभर में वन क्षेत्र की जमीन पर गो सफारी बनाई जाएगी। इसमें गोवंश के लिए हर तरह की सुविधाएं होंगी। 14 मार्च को प्रमुख सचिव पशुधन सुधीर गर्ग ने वर्चुएल बैठक की थी, जिसमें प्रदेशभर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, वेटनरी यूनिवर्सिटी के डीन, वेटरनरी कालेज के प्रोफेसर, गौशाला संचालक, एनजीओ के पदाधिकारी और समाजसेवी जुड़े थे। बैठक में गोवंश के संरक्षण के लिए गो सफारी बनाने को लेकर सहमति बनी थी।

उत्तर प्रदेश पशु चिकित्सक संघ के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शुक्ल ने बताया कि सरकार ने गोवंश के संरक्षण के लिए निराश्रित गोवंशी संरक्षण योजना शुरू की थी। इसके तहत अस्थायी निराश्रित गोवंशी आश्रय स्थल बनाए गए थे। इसका मॉडल सही नहीं था। इसके तहत जमीन के चारों ओर खोदाई कर बीच में गोवंश को रहने के लिए टापू बनाए गए थे। खाई में गिरने, लू, शीतलहर और बारिश के कारण गोवंश की मौत हो रही थी। ऐसे करीब प्रदेशभर में 5200 आश्रय स्थल बनाए गए थे। इस मॉडल में नौ विभागों को गोवंशी के संरक्षण के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन कोई भी विभाग सही से इसकी जिम्मेदारी नहीं निभा सका। इस कारण सफारी बनाने की जरूरत पड़ी।

फसलों को नहीं होगा नुकसान, सड़क दुर्घटनाएं होंगी कम

बेसहारा गोवंशी कई बार फसलों को चर लेते हैं। साथ ही उनके आवागमन से फसल नष्ट भी हो जाती हैं। सफारी में गोवंश के होने से किसानों की फसल नुकसान होने से बचेंगी। वहीं सड़कों पर होने वाले हादसों में भी कमी आएगी। योजना के तहत प्रदेशभर में वन क्षेत्र की जमीन पर तार फेंसिंग कर गोवंशी के लिए चारा, पानी की व्यवस्था की जाएगी। बारिश और धूप से बचाव के लिए शेड की व्यवस्था की जाएगी। उनकी देखरेख के लिए कर्मचारी रहेंगे।

किसानों को 72 घंटे में होगा गेहूं का भुगतान

प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीद शुरू हो गई। गेहूं खरीद के लिए प्रदेश में प्रस्तावित 6000 में से 4593 केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें से 3989 केन्द्रों पर पहले दिन गेहूं खरीदा गया। गेहूं खरीद 15 जून तक की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चाधिकारियों को निर्देश दिया है कि गेहूं बेचने वाले किसानों के बैंक खातों में भुगतान 72 घंटे के भीतर कर दिया जाए। उन्होंने कहा है कि क्रय केन्द्रों पर किसानों को कोई परेशानी न हो। किसानों को गेहूं के एमएसपी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2022-23 के लिए गेहूं का एमएसपी 2015 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। इस वर्ष 60 लाख टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य तय किया गया है। गेहूं बेचने के लिए अब तक 148383 किसान ऑनलाइन पंजीकरण करा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंडियों से फसल की समय पर उठान सुनिश्चित करने और मंडियों में किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं। यूपी की सत्ता में लगातार दूसरी बार वापसी करने के बाद से ही योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड पर हैं। पिछले एक सप्ताह में कई जिलों का दौरा भी कर चुके हैं। साथ ही भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत मुख्यमंत्री गाजियाबाद के एसएसपी और सोनभद्र के डीएम को निलंबित देकर कड़ा संदेश भी दे चुके हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकास के प्रतीक बने शहरों का दंश

तमाम दावों के बावजूद यूपी के अधिकांश शहर आज भी अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। जाम, गंदगी, अतिक्रमण, खस्ता हाल सड़कें और प्रदूषित पेयजल शहरों की स्थायी पहचान बन गए हैं। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इन समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो सका। शहरों को सुव्यवस्थित करने के लिए गठित नगर निगम और नगरपालिकाएं शो पीस और भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर रह गयी हैं। सरकार भी कागजों पर निर्देश-आदेश का खेल खेलती है और नतीजा ढाक के तीन पात निकलता है। सवाल यह है कि विकास के प्रतीक शहरों की हालत खस्ता क्यों हो रही है? टैक्स देने के बाद भी शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध क्यों नहीं हो पा रही हैं? नगर निगम और नगरपालिकाएं क्या कर रही हैं? शहरों के विकास और रखरखाव के नाम पर हर साल आवंटित होने वाला अरबों का बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या सियासत ने इन संस्थाओं को औचित्यहीन बना दिया है? क्या बढ़ते जनघनत्व ने शहरों का दम घोंट दिया है? क्या तमाम समस्याओं से जूझते शहर ऐसे ही स्मार्ट बनेंगे? क्या अव्यवस्थित शहर प्रदेश के विकास को रफ्तार दे सकेंगे?

आजाद भारत ने शहरों को विकास मॉडल के रूप में स्वीकार किया। ये शहर आर्थिक गतिविधियों को केंद्र बन गये और इसने गांव की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। लिहाजा ग्रामीण क्षेत्रों से रोजी रोटी की तलाश में भारी संख्या में लोग शहरों में पहुंचने लगे। इसने शहर के संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ डाला और पहले से खराब हालात और भी बदतर हो गए। भले ही शहरों के रखरखाव और विकास के लिए नगर निगम और नगरपालिकाओं का गठन किया गया लेकिन ये जिम्मेदारी उठाने में नाकाम रहीं। मसलन, नगर निगम के बावजूद प्रदेश की राजधानी लखनऊ की पहचान गंदगी, खस्ता हाल सड़कें, जाम और अतिक्रमण बन गयी। विभिन्न टैक्स देने के बावजूद यहां के अधिकांश लोगों को आज भी स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य फैला रहता है। अधिकांश चौराहों पर जाम लगा रहता है। यह सब तब है जब शहर की साफ-सफाई के लिए निगम के पास सफाईकर्मियों का अमला है और हर साल भारी बजट आवंटित किया जाता है। बारिश में अधिकांश सड़कों पर पानी भर जाता है और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जरूरी व्यवस्थाएं तक नहीं की जाती हैं। जब राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जाहिर है यदि सरकार शहरों को व्यवस्थित करना चाहती है तो उसे मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी। अन्यथा स्मार्ट शहर केवल सपना ही रहेगा।

तमाम दावों के बावजूद यूपी के अधिकांश शहर आज भी अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। जाम, गंदगी, अतिक्रमण, खस्ता हाल सड़कें और प्रदूषित पेयजल शहरों की स्थायी पहचान बन गए हैं। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इन समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो सका।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जापान से मजबूत होते रिश्ते

प्रह्लाद सबनानी

भारत और जापान के बीच आध्यात्मिक बंधुत्व एवं सांस्कृतिक सभ्यता पर आधारित आपसी संबंधो का एक लम्बा इतिहास रहा है। वैसे भारत-जापान के रिश्तों की नींव 1600 ईस्वीं तक पीछे तक जाती है परंतु हाल में इन रिश्तों में बहुत गर्माहट आई है। पिछले 70 वर्षों से दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते अबाध रूप से चल रहे हैं और अब सामरिक दृष्टि से भी भारत और जापान एक दूसरे के बहुत करीब आ रहे हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारत में सबसे अधिक विदेशी निवेश करने वाले कुछ बड़े देशों में जापान भी एक बड़े निवेशक के रूप में शामिल है। दूसरी ओर जापान में भारत के कुशल श्रमिकों की बहुत बड़ी संख्या कार्यरत है।

जापान में जनसंख्या वृद्धि दर के कम होते जाने से अब वहां पर वृद्धों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारतीयों का सहयोग जापान की जनता को बहुत रास आ रहा है। कोरोना के बाद जब कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर अपने नए निवेश के संबंध में निर्णय लेना चाह रही हैं ऐसे में जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का झुकाव भारत की ओर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। पूर्व में भी, जापान ने यह निर्णय लिया था कि वह वर्ष 2015-2020 के बीच 3.5 लाख करोड़ येन का निवेश भारत में करेगा। इस लक्ष्य को हासिल कर लिया गया है। अब जापान ने यह घोषणा की है कि आने वाले 5 वर्षों के दौरान जापान भारत में 5 लाख करोड़ येन का नया निवेश करेगा। इस समय भारत में लगभग 100 के आसपास जापान की बड़ी कंपनियां कार्य कर रही हैं। इन कंपनियों द्वारा भी भारत में अपने कार्य के विस्तार की योजना बनाई जा रही है। भारत द्वारा हाल में लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत भी जापान की कम्पनियों द्वारा बहुत बड़ी राशि का निवेश भारत में किया जा रहा है। क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में भी जापान अपना निवेश भारत में बढ़ाने जा रहा है। एक ओर जहां तकनीकी एवं नवोन्मेष के क्षेत्र में जापान ने भारत की बहुत मदद की है तो दूसरी ओर भारत ने जापान की सूचना तकनीकी (आईटी) के क्षेत्र में बहुत मदद की है। हाल में जापान में एक सर्वे किया गया था जिसमें यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि आने वाले समय में भारत, जापान का सबसे बड़ा आर्थिक साझीदार बनने की ओर अग्रसर है। चीन की विस्तरवादी नीतियों को देखते हुए हिंद महासागर एवं प्रशांत महासागर क्षेत्र में जापान एवं भारत दोनों देशों के सामरिक सम्बंधों

के बीच मजबूती आना जरूरत बन गयी है। आर्थिक क्षेत्र में भी चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की दृष्टि से जापान और भारत मिलकर कार्य कर रहे हैं।

भारत और जापान ने आपस में मिलकर बांग्लादेश में एक बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारंभ कर दिया है। यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहे युद्ध के बीच भारत, क्वॉड नामक संगठन में शामिल तीनों अन्य सदस्य देशों को, यह समझाने में सफल रहा है कि इस युद्ध को आपसी बातचीत से समाप्त किया जा सकता है एवं युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी हल नहीं हो सकता है। भारत के इस विचार पर जापान ने अपनी सहमति प्रदान की थी जिससे अन्य दो सदस्य देशों-आस्ट्रेलिया एवं अमेरिका, को भी इस विचार पर राजी करने में आसानी हुई थी और इस प्रकार क्वॉड ने इस युद्ध में खुले रूप में रूस अथवा यूक्रेन में से किसी भी देश का पक्ष नहीं लिया है। जब रूस-चीन के आपसी रिश्ते कुछ हद तक मजबूत होते जा रहे हैं ऐसे में सामरिक दृष्टि से जापान और भारत के रिश्ते मजबूत होने ही चाहिए। हाल में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भारत यात्रा पर थे। जापान के प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जापान अगले पांच सालों के दौरान भारत में 42 अरब डॉलर का निवेश करेगा। दोनों देशों के बीच कुल छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

जापान लंबे समय से भारत के शहरों के बुनियादी ढांचे के विकास में मदद कर रहा है। भारत जापान आर्थिक साझेदारी में पिछले कई वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। आज भारत, जापान एवं चीन एशिया के तीन बड़े आर्थिक पावर हाउस हैं। इनमें से दो देश भारत और जापान आपस में मिलकर कार्य कर रहे हैं जबकि चीन एकला चलो की नीति पर चल रहा है उसके जापान एवं भारत दोनों ही देशों से बहुत अच्छे रिश्ते नहीं हैं। जापान आज भारत के कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट में अच्छी प्रगति हो रही है। आज दोनों देश आपस में मिलकर वन टीम- वन प्रोजेक्ट के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। इससे जापान के साथ भारत की आर्थिक साझेदारी और भी ज्यादा मजबूत हुई है। दोनों देशों की साझेदारी से इंडो-पेसिफिक क्षेत्र और पूरे विश्व में ही शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण का गहराता खतरा

सुधीर कुमार

हाल ही में स्विट्जरलैंड की आइक्यू एयर संस्था ने वार्षिक विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट-2021 जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश दुनिया का सबसे प्रदूषित देश है जबकि इस सूची में भारत पांचवें स्थान पर है। नयी दिल्ली लगातार चौथे साल दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी रही है। पिछले ही साल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक वायु गुणवत्ता के मानकों में बदलाव करते हुए नये दिशा-निर्देश जारी किये थे। इनमें पीएम (पार्टिकुलेट मैटर)-2.5 और पीएम-10 के अलावा चार अन्य प्रदूषकों-ओजोन, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड के सालाना उत्सर्जन की औसत सीमा पर भी कड़ाई बरती गयी थी। डब्ल्यूएचओ की नयी गाइडलाइन के मुताबिक, हवा में पीएम-2.5 की सलाना औसत सीमा को 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटाकर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर किया जाना था लेकिन इस रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया में केवल तीन प्रतिशत शहर ही डब्ल्यूएचओ की वार्षिक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करते हैं।

बीते कुछ वर्षों से जहरीली होती आबो-हवा गहरी चिंता का विषय बन चुकी है। वायु प्रदूषण केवल जन स्वास्थ्य और पर्यावरण को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि जीवन प्रत्याशा, अर्थव्यवस्था, पर्यटन और समाज पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ता है। एक पीढ़ी के कारस्तानियों की सजा आनेवाली कई पीढ़ियों को भुगतनी पड़ती है। वायु गुणवत्ता को लेकर जब-तब जारी होते रहे वैश्विक सूचकांकों में भारत की स्थिति दयनीय ही रही है। पिछले कुछ सालों में तो पहले बीस-तीस शहरों में सर्वाधिक शहर भारत के ही आते रहे हैं, जहां वायु प्रदूषण से स्थिति काफी गंभीर है। सच तो यह है कि अब वायु ऑक्सीजन के साथ-साथ बीमारियां और मौत भी ढोने लगी है, जिसके कसूरवार हम ही हैं। भारत में वायु प्रदूषण की समस्या कमोबेश सालभर विद्यमान रहती है। देश के ऐसे कई शहर एक तरह से गैस चैंबर में तब्दील हो रहे हैं और कई शहर प्रदूषण की घनी चादर ओढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 84 फीसदी भारतीय उन इलाकों में रह रहे हैं, जहां वायु प्रदूषण विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से ऊपर है। प्रदूषित इलाकों में लगातार रहने से जीवन की गुणवत्ता घटती है और धीरे-धीरे हम शारीरिक व्याधियों से घिर जाते हैं।

वायु प्रदूषण की चपेट में आने से लोगों की आयु घटने लगी है। इस तथ्य की पुष्टि भी कई शोधों में हो चुकी है। वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक रिपोर्ट-2020 के मुताबिक, प्रदूषित इलाकों में रहने वाले भारतीय पहले की तुलना में औसतन पांच साल कम जी रहे हैं। कई राज्यों में यह दर राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में जीवन प्रत्याशा नौ वर्ष, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में आठ वर्ष, बिहार और बंगाल में सात वर्ष तक कम हो रही है। वहीं, कार्डियोवैस्कुलर रिसर्च जर्नल में प्रकाशित एक शोध में शोधकर्ताओं ने माना कि वायु प्रदूषण के चलते पूरे विश्व में जीवन प्रत्याशा औसतन तीन वर्ष तक कम हो रही है, जो अन्य बीमारियों के कारण जीवन प्रत्याशा पर पड़ने वाले असर की तुलना में अधिक है। मसलन, तंबाकू के सेवन से जीवन प्रत्याशा में तकरीबन 2.2 वर्ष, एड्स से 0.7 वर्ष, मलेरिया से 0.6 वर्ष और युद्ध के कारण 0.3 वर्ष की कमी आती है। हैरानी की बात है कि देश में बीमारी, युद्ध और किसी भी हिंसा में मरने वालों से कहीं अधिक संख्या वायु प्रदूषण से मरने वालों की है लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस अपराध के लिए किसी खास व्यक्ति या संस्था को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। वायु प्रदूषण एक धीमे जहर की तरह मानव स्वास्थ्य व संसाधन को नुकसान पहुंचा रहा है। वायु प्रदूषण स्वास्थ्य संबंधी अनेक व्याधियों जैसे दिल व फेफड़े की बीमारी, कैंसर व अस्थमा को जन्म देता है। इस तरह वायु प्रदूषण व्यक्ति के निरोगी जीवन के मार्ग में बाधक बनता है। जीवन प्रत्याशा घटने से लोग पहले की तुलना में कम और अस्वस्थ होकर अपना शेष जीवन कठिनाई से व्यतीत करते हैं। मालूम हो कि प्रदूषित इलाकों में रहने से दिल और फेफड़े के साथ श्वसन संबधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण के खिलाफ जंग के लिए राष्ट्रीय वायु स्वच्छ कार्यक्रम की शुरुआत की थी, जिसका लक्ष्य 2017 की तुलना में 2024 तक वायु प्रदूषण में 20 से 30 फीसदी की कमी लाना है। हालांकि, यह तभी मुमकिन है, जब देश में सततपोषणीय विकास पर जोर दिया जाये। पर्यावरण संरक्षण के निमित्त यहां के नागरिकों को अपने स्तर पर सकारात्मक पहल करनी होगी, तभी यह स्थिति बदलेगी और पृथ्वी पर जीवन की परिस्थितियां अनुकूल होंगी। वायु प्रदूषण एक ऐसी समस्या है, जिसे सामूहिक प्रयास से ही नियंत्रित किया जा सकता है। वायु प्रदूषण का स्तर घटेगा तो जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी।

इस तरह लोग सामान्य से अधिक जीवन जी पायेंगे लेकिन विडंबना है कि देश में वायु प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा चुनावी मुद्दा नहीं बनता है और न ही सियासी दल इसे अपने चुनावी घोषणापत्रों में जगह ही देते हैं। हम अपने स्तर से प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में आदतों में बदलाव लाकर एक सुखी भविष्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए संकल्पित हो सकते हैं।

इबादत का महीना
रमजान

हर साल दुनिया भर के मुसलमान रमजान के पवित्र महीने को मनाते हैं। रमजान का पर्व फिलहाल आज से शुरू हो गया हैं। महीने भर की अवधि के दौरान जो रोजा या उपवास रखते हैं उनके लिए रमजान का महीना 2 मई को समाप्त होगा। लोग अपना पहला भोजन या सहरी करने के लिए सुबह जल्दी उठते हैं, और शाम को वे इफ्तार साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। यह महीना सभी मुसलमानों के लिए बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। रमजान को रमदान भी कहते हैं। रमजान इस्लामी कैलेण्डर का नवां महीना है। इसे माह-ए-रमजान भी कहा जाता है। रमजान के महीने में रोजे (व्रत) रखने, रात में तरावीह की नमाज पढ़ना और कुरान की तिलावत करना शामिल है। मुस्लिम समुदाय के लोग पूरे महीने रोजा रखते हैं और सूरज निकलने से लेकर डूबने तक कुछ नहीं खाते-पीते हैं। साथ में महीने भर इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। रमजान के दौरान उपवास या रोजा इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है।

रोजा रखने के नियम

- रोजा रखने का मतलब सिर्फ भूखे-प्यासे रहना नहीं है, बल्कि आंख, कान और जीभ का भी रोजा रखा जाता है यानि न बुरा देखें, न बुरा सुनें और न ही बुरा कहें।
- इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि आपके द्वारा बोली गई बातों से किसी की भावनाओं पर ठेस न पहुंचे। रमजान के महीने में कुरान पढ़ने का अलग ही महत्व होता है।
- हर दिन की नमाज के अलावा रमजान में रात के वक्त एक विशेष नमाज भी पढ़ी जाती है, जिसे तरावीह कहते हैं।

रमजान का महत्व

जैसा कि जानते हैं कि रमजान का मुबारक महीना शुरू हो चुका है। मई के पहले हफ्ते में ईद पर्व मनाया जाएगा। इस्लाम में बताया गया है कि रमजान के रोजे रखने से अल्लाह खुश होते हैं और सभी दुआएं कुबूल करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस महीने की गई इबादत का फल बाकी महीनों के मुकाबले 70 गुना अधिक मिलता है। चांद दिखने के बाद से ही मुस्लिम समुदाय के लोग सुबह के समय इबादतों का सिलसिला शुरू कर देते हैं। इसी दिन पहला रोजा रखा जाता है। सूरज निकलने से पहले खाए गए खाने को सहरी और सूरज ढलने के बाद रोजा खोलने को इफ्तार कहा जाता है।

इस्लाम के नौवें महीने में रखा जाता है रोजा

इस्लामी कैलेंडर का नौवें महीने को रमजान कहा जाता है। रमजान अरबी का शब्द और इस्लामिक महीना है। यह महीना रोजे के लिए खास किया गया है। रोजे को अरबी भाषा में सौम कहा जाता है। सौम का मतलब होता है रुकना, ठहरना यानी खुद पर नियंत्रण या काबू करना। फारसी में उपवास को रोजा कहते हैं। रमजान की शुरुआत चांद देखने के बाद होती है।

ऐसे रखें अपनी सेहत और खान-पान का ख्याल

पवित्र रहमत और बरकत से भरा रमजान का महीना मोमिनों को अल्लाह से प्यार और लगन जाहिर करने के साथ खुद को खुदा की राह की सख्त कसौटी पर कसने का मौका देने वाला यह महीना बेशक हर बंदे के लिए नेमत है। कुरान शरीफ में लिखा है कि मुसलमानों पर रोजे इसलिए फर्ज किए गए हैं ताकि इस खास बरकत वाले रूहानी महीने में उनसे कोई गुनाह नहीं होने पाए। यह खुदाई असर का नतीजा है कि रमजान में लगभग हर मुसलमान इस्लामी नजरिए से खुद को बदलता है और हर तरह से अल्लाह की रहमत पाने की कोशिश करता है। रमजान का महीना सामाजिक ताने-बाने को भी मजबूत करने में मददगार साबित होता है। इस महीने में सक्षम लोग अनिवार्य रूप से अपनी कुल संपत्ति का एक निश्चित हिस्सा निकालकर उसे जकात के तौर पर गरीबों में बांटते हैं। रमजान में दिनभर भूखे-प्यासे रहकर खुदा को याद करने की मुश्किल साधना करते रोजेदार को अल्लाह खुद अपने हाथों से बरकतें नवाजता है। अगर आप रोजा सही तरीके से न रखें, तो आपकी सेहत पर भी इसका काफी खराब असर पड़ता है। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि इस पाक महीने में आप कैसे रोजा रख कर अपनी सेहत का खयाल रख सकते हैं...

सहरी के वक्त कैसा होना चाहिए खान-पान

सहरी के वक्त हल्की और हेल्दी चीजें खानी चाहिए। इसमें अंडा, आटे की रोटी या पराठा, ताजे फल, जूस आदि लेना फायदेमंद हो सकता है। कोशिश करना चाहिए कि सहरी में कॉफी, कोल्डड्रिंक्स या सोडा वाली चीजें न खाएं-पीएं। वहीं बिरयानी, कबाब, पिज्जा और फास्ट फूड खाने से परहेज करना चाहिए। क्योंकि ये बहुत हैवी होते हैं और ज्यादातर लोग सहरी के बाद सो जाते हैं। जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

इफ्तार में खजूर खाना फायदेमंद

इफ्तार के वक्त खाते समय कम से कम पानी पीना चाहिए। खजूर खाना बढ़िया होता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है। खजूर में आयरन होता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। वहीं इस दौरान कोशिश करनी चाहिए कि ज्यादा तला-भुना बिल्कुल भी न खाएं।

इन चीजों से करें रोजा इफ्तार

कबाब, समोसा और शामी रोल की जगह आप खजूर, सेब और सिस्टर्स फ्रूट से ही रोजा इफ्तार करें, पूरे दिन उपवास करने के बाद अगर आप फल खाते हैं, तो वो अच्छी तरह पच जाएंगे। ऐसा खाना खाएं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रोटीन हो, जैसे लीन मीट, स्किनलेस चिकन, मछली, अंडे और लो फैट दूध से बनी चीजें।

सहरी जरूर करें

रमजान में सहरी करना बहुत जरूरी है। आजकल कुछ लोग सहरी नहीं करना चाहते हैं, क्योंकि सुबह उठना लोगों के लिए काफी मुश्किल होता है, लेकिन सहरी आपके शरीर को आने वाले दिन के लिए तैयार करती है। सहरी में जूस, रोटी और रॉ प्रोटीन जरूर लेना चाहिए। अगर आप चाहें, तो 4-5 खजूर भी इसके साथ ले सकते हैं। ज्यादा नमक का प्रयोग आपके गले को सुखा देगा, इसलिए इसका ज्यादा इस्तेमाल न करें।

ध्यान देने योग्य बातें

- सहरी या इफ्तार में हमेशा ध्यान दें कि कम तली हुई चीजें ही खाएं, सहरी में खासकर ऑयली चीजों को दूर रखें क्योंकि ऑयली चीजों को खाने से प्यास लगने की संभावना बढ़ जाती है। जबकि हमें पूरे दिन रोजा रखना होता है।
- सहरी में प्रोटीन और फाइबर वाली चीजें ज्यादा लें। मल्टीग्रेन रोटी, छिलके सहित फल, अंडे, पनीर, चिकन आदि खाएं।
- फाइबर युक्त भोजन प्यास से बचाता है और लंबे समय तक पेट भरा रहता है।
- जितना हो सके उबली चीजें ही ज्यादा खाएं।
- सहरी के दौरान कैफिन वाली चीजें लेने से बचें। चाय या कॉफी आपके शरीर का पानी सोख लेती हैं और इससे बार-बार प्यास लग सकती है।
- इफ्तार की शुरुआत बहुत ही हल्की चीजों से करें। तुरंत ही बहुत ऑयली चीजें ज्यादा न लें क्योंकि इससे एसिडिटी, उल्टी या पेट दर्द हो सकता है।

कहानी — चतुर समाधान

एक दिन की बात है एक चिड़िया आकाश मे अपनी उड़ान भर रही होती है। रास्ते में उसे गरुड़ मिल जाता है। गरुड़ चिड़िया को खाने को दौड़ता है। चिड़िया उससे अपनी जान की भीख मांगती है। लेकिन गरुड़ उस पर रहम करने को तैयार नहीं होता। तब चिड़िया उसे बताती है कि मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं और उनके लालन-पालन के लिए मेरा जीवित रहना जरूरी है। तब गरुड़ चिड़िया के सामने एक शर्त रख देता है कि मेरे साथ दौड़ लगाओ और अगर तुमने मुझे हरा दिया तो मैं तुम्हारी जान बख्श दूंगा और तुम्हें यहां से जाने दूंगा गरुड़ इस बात को जानता था कि चिड़िया का उसे दौड़ में हराना असंभव है। इसलिए उसके सामने इतनी कठिन शर्त रख देता है। चिड़िया के पास इस दौड़ के लिए हां करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता लेकिन चिड़िया को इस बात का अंदाजा था कि गरुड़ को दौड़ में हराना नामुमकिन है लेकिन फिर भी वह इस दौड़ के लिए हां कर देती है लेकिन चिड़िया गरुड़ को कहती है कि जब तक ये दौड़ खत्म नहीं होती वह उसे नहीं मारेगा। गरुड़ इस बात पर राजी हो जाता है। दौड़ शुरू होती है चिड़िया फट से जाकर गरुड़ के सिर पर बैठ जाती है और जैसे ही गरुड़ दौड़ के आखिरी स्थान पर पहुंचता है चिड़िया फट से उड़ कर लाइन के पार पहुंच जाती है और जीत जाती है। गरुड़ उसकी चतुरता से प्रसन्न हो जाता है और उसको जिंदा छोड़ देता है। चिड़िया तुरंत ही वहां से उड़ जाती है और अपने रास्ते चल देती है।

सीख: कठिन परिस्थितियों में हालातों पर रोना नहीं चाहिए बल्कि समझदारी और चतुरता के साथ मुसीबत का सामना करना चाहिए। विरोधी या कार्य आपकी क्षमता से ज्यादा मजबूत हो तो इसका मतलब यह नहीं कि आप पहले से ही हार मान कर बैठ जाएं बल्कि समझदारी और धैर्य से बैठ कर समस्या का समाधान ढूंढना चाहिए। अपने ऊपर विश्वास रखना चाहिए कि हम किसी भी हालत में जीत सकते हैं।

हंसना मना है

झूठ तो हमने बचपन से ही सीख लिया था जब प्रिंसिपल और क्लास टीचर दोनों ही नापसंद थे और लिखते थे, आपका आज्ञाकारी शिष्य।

टीचर: बताओ, छिपकली दीवार पर क्यों चलती है। पप्पू: हम भी तो जमीन पर चलते हैं। छिपकली ने कभी कुछ कहा।

पति ने पत्नी का हाल जानने के लिए मैसेज किया, कैसा है सिरदर्द, लेकिन टाइप हो गया, कैसी है सिरदर्द। ऑफिस से छूटे 4 घंटे हो गए लेकिन पति अपने घर जाने का साहस नहीं जुटा पा रहा है।

गर्लफ्रेंड: मेरे सिर में बहुत दर्द है। बॉयफ्रेंड: लाओ, मैं तुम्हारे सिर पर किस कर लेता हूं। अब तो सही है ना। गर्लफ्रेंड: हां, अब बिल्कुल सही हो गया। पास में खड़ा डॉक्टर मन में लानत है मेरी एमबीबीएस की डिग्री पर।

10 अंतर खोजें

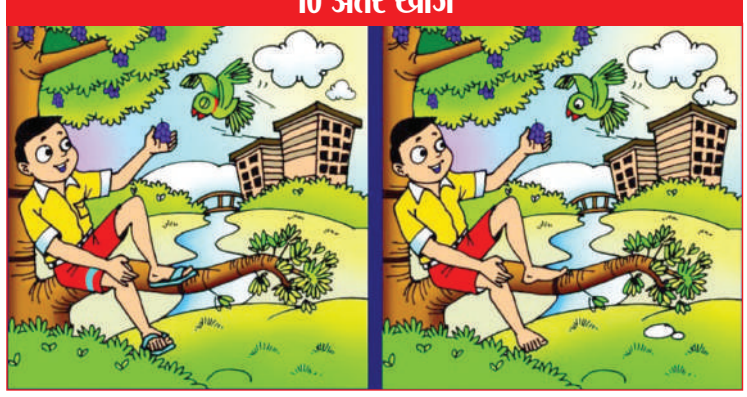

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपको अपने जीवन साथी से कोई सरप्राइज मिल सकता है, जिससे दोनों के रिश्ते मधुर होंगे। तली हुई चीजों से परहेज करें।

वृषभ

पुरानी बातों में न फंसें और जितना हो सके आराम करने की कोशिश करें। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके खर्चों और बिलों आदि का ख्याल रखेगा।

मिथुन

गपशप और अफवाहों से दूर रहें। आज दिन भर आपके मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। आप व्यवस्थित रूप से वित्तीय योजनाएं बनाने में सक्षम होंगे।

कर्क

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। बेरोजगारों को आज रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज उपयुक्त विवाह प्रस्ताव मिलने वाला है।

सिंह

डिप्रेशन या तनाव से मन की शांति भंग हो सकती है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फंसने से सावधान रहें। प्यार के मामले में आज आपको गलतफहमी हो सकती है।

कन्या

स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

तुला

जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। जो आगे की सफलता के लिए भी मददगार साबित होगा। ऑफिस के काम में दूसरों की राय लेने से बचें। मेहनत सफलता के रंग भर देगी।

वृश्चिक

नकारात्मक भावनाओं और प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखें। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी।

धनु

किसी प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा और आप हाथ में लिए गए कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

मकर

धन का लाभ मिलेगा। पैसों के लेन-देन के मामले में कोई भी फैसला लेने से पहले सोच लें। आज आपके काम में जो भी बाधा आ रही है उसे नजरअंदाज करें।

कुम्भ

सेहत को नजरअंदाज न करें, शराब से दूर रहें। आपका कोई करीबी आज बहुत अजीब मूड में रहेगा और इसे समझना लगभग नामुमकिन साबित होगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अपनी वाणी की मधुरता से दूसरों के मन पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ने में सफल रहेंगे। सिराहना की जाएगी।

बालीवुड | मन की बात

राजकुमार राव हुए धोखाधड़ी के शिकार

राजकुमार राव अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहने के साथ-साथ प्रशंसकों के साथ जानकारियां भी साझा करते रहते हैं। हाल ही में अभिनेता ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट साझा की है। उनकी हालिया पोस्ट ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। दरअसल, राजकुमार राव ने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी है कि उनके साथ फॉड हुआ है। अभिनेता के पैन कार्ड पर किसी ने धोखाधड़ी कर लोन ले लिया है और जिसके बाद अभिनेता ने उस शख्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की है। अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग करके धोखे से लोन लिया गया है, जिसकी वजह से उनका क्रेडिट स्कोर प्रभावित हुआ है। अब इस पूरे मामले पर उन्होंने ट्विटर के जरिए पोस्ट कर क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड के अधिकारियों से कार्रवाई करने की मांग की है। अभिनेता ने अपने ट्वीट में लिखा-मेरे पैन कार्ड का दुरुपयोग करते हुए, मेरे नाम पर 2500 रुपये का एक छोटा-सा लोन लिया गया है। जिसके कारण मेरा सिबिल स्कोर प्रभावित हुआ है। क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो इंडिया लिमिटेड कृपया इसे सुधारें और इसके खिलाफ एहतियाती कदम उठाएं। हालांकि सिबिल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अभी तक अभिनेता के ट्वीट पर कोई जवाब नहीं दिया है। अगर हम राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता राजकुमार राव हिट, मोनिका, ओ माय डार्लिंग और भीड़ जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। फिलहाल उनकी रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये सभी इस साल रिलीज होंगी। इसके अलावा राजकुमार राव के पास दो और फिल्में हैं, उसकी शूटिंग भी होनी हैं।

'बबली बाउंसर' के सेट पर सेलिब्रेट हुआ गुड़ी पड़वा

तमन्ना भाटिया बीते लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। लेकिन अब उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। तमन्ना जल्द ही फिल्म बबली बाउंसर में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। आज यानी 2 अप्रैल को महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस खास दिन को फिल्म बबली बाउंसर के सेट पर भी सेलिब्रेट किया गया। फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें तमन्ना भाटिया और मधुर भंडारकर सिर पर पगड़ी पहने हुए नजर आए। तमन्ना ने प्रिंटेट शॉर्ट कुर्ते के साथ प्लाजो पहना है, जिसके साथ उन्होंने सिर पर पीले संग की पगड़ी पहनी हुई है। वहीं, मधुर भंडारकर ने केसरिया कलर की पगड़ी पहनी हुई। इस मौके पर दोनों के साथ फिल्म की टीम के बाकी कलाकार भी नजर आ रहे हैं। जंगली पिक्चर्स ने इस मौके का एक वीडियो भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें मधुर भंडारकर के साथ तमन्ना भाटिया, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया शुक्ला नजर आ रही हैं।

खत्म हो चुका है फिल्म का पहला शेड्यूल

मधुर भंडारकर अपनी इस फिल्म का पहला शेड्यूल खत्म कर चुके हैं। महिला दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें सामने आई थीं, जिसमें तमन्ना, भाटिया और मधुर भंडारकर के साथ फिल्म से जुड़े सभी लोग मस्ती करते नजर आए थे।

इन फिल्मों में किया काम

तमन्ना भाटिया साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। वह बाहुबली में प्रभास के साथ नजर आई थीं। इसके अलावा, पिछले साल तमन्ना भाटिया फिल्म सीटीआर में दिखाई दी थीं। तमन्ना ने वेब सीरीज नवंबर स्टोरी में भी काम किया है।

हीरोपंती 2 का नया गाना जलवानुमा रिलीज

टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया स्टारर 'हीरोपंती 2' का नया गाना 'जलवानुमा' आज रिलीज हो गया है। फिल्म में एआर रहमान ने संगीत दिया है। इस गाने को जावेद अली और पूजा तिवारी ने गाया है। लोगों को गाने में टाइगर और तारा की केमेस्ट्री पसंद आ रही है। 29 अप्रैल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में टाइगर का एक्शन और विलेन बने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के लुक को देखकर जहां लोग को हैरानी हुई थी। वहीं फिल्म में दोनों ने अपने-अपने स्टाइल से सभी का दिल जीत लिया था। 'हीरोपंती 2' का निर्देशन अहमद खान कर रहे है और इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। अहमद खान इससे पहले 'बागी 2' और 'बागी 3' का भी बना चुके हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी लैला नाम के शख्स का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में टाइगर के किरदार का नाम बब्लू है, जबकि तारा सुतारिया इनाया नाम का किरदार निभा रही हैं। हीरोपंती 2 फिल्म काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई है। पहली बात ये है कि फिल्म जहां टाइगर-नवाज जबरदस्त एक्शन में देखने वाले हैं तो वहीं दूसरी ओर टाइगर-तारा का एक बार फिर से रोमांस दिखने को मिलने वाला है। दोनों की एक साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया को फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में साथ देखा गया था। साल 2019 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

बॉलीवुड | तड़का

अजब-गजब | गजब के कानून है कई देशों में

इन देशों में हैं शराब पीने के अजीबोगरीब कानून

वर्तमान समय में शराब पीना कई लोगों की शौक बन चुका है। दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो बिना शराब पिए नहीं रह पाते हैं। सभी लोग जानते हैं कि शराब पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है, लेकिन इसके बावजूद लोग अल्कोहल का सेवन करते हैं। कई लोग तो शराब पीने के बाद घर और बाहर दोनों जगहों पर हंगामा करते हैं। इसलिए दुनिया के हर देश ने शराब से जुड़े कानून बनाए हुए हैं जिनका उल्लंघन करने पर लोगों को सजा हो सकती है। इसके अलावा जुर्माना भी लगाया जाता है। लेकिन दुनिया के कुछ देशों में शराब को लेकर ऐसे कानून बनाए गए हैं, जिनके बारे में जानकर आप कहेंगे कि जरूर किसी ने नशे में इन्हें लागू किया होगा। तो आइए जानते हैं शराब पर बनाए गए 10 देशों के अजीबोगरीब कानून....

यूके में बार और क्लब में शराब पीने पर है बैन

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग तनाव से थोड़ी राहत पाने के लिए बार या क्लब में जाते हैं। जहां पर वो शराब पीते हैं और खुलकर एंजॉय करते हैं। बार और क्लब इसलिए बनाए भी जाते हैं। लेकिन यूनाइटेड किंगडम (यूके) में आप बार या क्लब में शराब नहीं पी सकते हैं, क्योंकि ऐसा करना गैरकानूनी है।

नशे में गाड़ी चलाना मौत को बुलावा देना है

नशे में गाड़ी चलाना किसी के लिए भी घातक साबित हो सकता है। इसके लिए हर देश ने कड़े कानून बनाए हैं, लेकिन अल साल्वाडोर में ड्रंक ड्राइविंग पर ऐसा कानून बनाया गया है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यहां पर नशे में गाड़ी चलाना मौत को दावत देना है। अगर आप यहां पर ड्रंक ड्राइविंग करते हैं, तो आपका फायरिंग दस्ते से सामना हो सकता है। इस देश ने शायद शराब पीने से जुड़ा कुछ ज्यादा ही सख्त कानून बना दिया है।

कनाडा में फ्लेवर नहीं बना सकते बारटेंडर

बार में लोगों की पसंद का ड्रिंक बारटेंडर बनाते हैं, लेकिन कनाडा में वे अलग-अलग फ्लेवर की शराब नहीं बना सकते हैं। यहां पर बार में आए ग्राहक के कहने पर ही बारटेंडर फ्लेवर्ड ड्रिंक बना सकते हैं। इस कानून की वजह से बारटेंडर को नौकरी मिलने में मुश्किल खड़ी हो गई है।

शराब पर स्वीडन में कानून

स्वीडन में कानून के मुताबिक, 3.5 पर्सेंट से ज्यादा शराब सिर्फ सरकार बेच सकती है। स्वीडन में सरकार का नियंत्रण हैं जहां से 3.5 परसेंट से ज्यादा शराब खरीदी जा सकती है।

स्कॉटलैंड में शराब पीकर गाय की सवारी करने पर है रोक

स्कॉटलैंड में कोई भी शराब पीकर गाय की सवारी नहीं सकता है। इस कानून से तो ऐसा लगता है कि जैसे यहां पर लोग शराब पीकर गाय की सवारी करते थे। यहां पर इससे संबंधित कानून बनाया गया है।

फ्रांस में रखनी पड़ती है अल्कोहल टेस्टिंग मशीन

पुलिस अधिकारियों के पास ही अल्कोहल टेस्ट करने वाली मशीने दिखती हैं। लेकिन आप फ्रांस में ड्राइविंग करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपके पास अल्कोहल टेस्टिंग मशीन होनी चाहिए। अगर ड्राइविंग करते समय आपके पास अल्कोहल टेस्टिंग मशीन नहीं मिलती है, तो आपको सजा दी जा सकती है।

भारत : महाराष्ट्र में लाइसेंस है जरूरी

भारतीय राज्यों में शराब से संबंधित कानून अलग-अलग हैं। महाराष्ट्र में शराब पीने के लिए आधिकारिक तौर लाइसेंस होना जरूरी है। यहां पर शराब पीने के लिए लाइसेंस की रिक्वेस्ट करने सरकारी सिविल अस्पताल जाना पड़ता है।

बुर्ज खलीफा के बाद इस देश में बनी दुनिया की दूसरी सबसे लंबी इमारत

दुनिया में ऊंची-ऊंची इमारतों की कोई कमी नहीं है। जब बात दुनिया की सबसे लंबी इमारतों की होती हैं तो सबसे पहले दुबई के बुर्ज खलीफा का नाम आता है। जिसकी ऊंचाई 829.8 मीटर यानी 2,722 फिट है। इस गगनचुंबी इमारत को देखने के लिए सिर्फ दुबई से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। जो भी दुबई जाता है वो इस इमारत का दीदार एक बार जरूर करता है। इसकी ऊंचाई जब सर उठा कर देखते है तो दिमाग चक्कर खाने लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया की दूसरी सबसे इमारत कौन-सी है? दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत मलेशिया में है। हालांकि, अभी इस इमारत का निर्माण किया जा रहा है जो साल 2022 के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगी। अब ये ऊंचाई के लिहाज से दुनिया की दूसरी इमारत बन जाएगी। इससे पहले दूसरी सबसे ऊँची इमारत का ?ताब शंघाई टावर के नाम था। इस टावर की ऊंचाई 2,073 फिट थी, लेकिन अब ये तीसरे नंबर पर चली गई है। बुर्ज खलीफा के बाद दुनिया की सबसे उंचाई वाली इमारत का नाम है Merdeka 118 जोकि मलेशिया के कुआलालम्पुर में है। Merdeka एक इंडोनेशियाई और मलय भाषा का शब्द होता है, जिसका हिंदी अनुवाद आजादी होता है। अभी इस इमारत का निर्माण किया जा रहा है लेकिन तब भी इसकी ऊंचाई देखने पर दिमाग में चक्कर आने लगते हैं। इस इमारत की उंचाई 2,227 फिट और इसमें 118 मंजिलें होंगी। मिली जानकारी के अनुसार, इस इमारत में जरुरत की सभी सुविधाएं मिलने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस इमारत के बन जाने से मलेशिया के पर्यटन को ब?वा मिलेगा। इस इमारत में एक साथ 3000 लोग आ सकते हैं। इस का डिजाइन स्लीक है और इसे त्रिकोणीय शीशे के पैनल्स से बनाया गया है। ये आकार मलेशिया के पारंपरिक आर्ट और क्राफ्ट को दर्शाता है। इस इमारत को 31 लाख वर्ग फुट के क्षेत्रफल में बनाया जा रहा है। इस इमारत का आधा फीसदी हिस्सा कार्यालयों को दिया जाएगा। इस टावर में एक मॉल, एक मस्जिद, एक पार्क और एक होटल होगा। इमारत में दक्षिण पूर्व एशिया का का सबसे ऊंचा निरीक्षण डेक बनाया जा रहा है। ये जगह चार एकड़ के विस्तार में होगी, जिसमें एक सार्वजानिक स्थान होगा और एक पार्क भी होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस इमारत का डिजाइन मलेशिया के पूर्व नेता अब्दुल रहमान की उस छवि को बताती है जब उन्होंने हाथ उठाकर Merdeka कहा था। रहमान ने 1957 में मलेशिया की आजादी की घोषणा की थी।

गोरखनाथ मंदिर के सुरक्षाकर्मियों पर हमले में आतंकी कनेक्शन की जांच शुरू

» फरवरी में सीएम योगी को बम से उड़ाने की दी गयी थी धमकी

» कल एक हमलावर ने मंदिर में घुस कर दो सुरक्षाकर्मियों को किया था घायल

» हमले की कड़ियां जोड़ने में जुटी पुलिस और एटीएस हमलावर से पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर हमले के मामले की जांच में जुटी एटीएस ने अब आतंकी कनेक्शन की भी जांच शुरू कर दी है। फरवरी में गोरखनाथ मंदिर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से

उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद रविवार शाम मंदिर की सुरक्षा में तैनात दो पीएसी जवानों पर एक सिरफिरे ने धारदार हथियार से हमला बोल दिया था। अब स्थानीय पुलिस और एटीएस फरवरी में मिली धमकी और इस हमले की कड़ियों को जोड़ने में जुट गई है।

चार फरवरी को एक के बाद एक तीन ट्वीट कर कई प्रमुख रेलवे स्टेशन, गोरखनाथ मंदिर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये ट्वीट लेडी डॉन नाम के ट्विटर हैंडल से किया गया था। इस मामले में पुलिस ने केस भी दर्ज किया था और जांच भी शुरू हुई थी लेकिन आरोपी पकड़ा नहीं गया। इसके बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। रविवार देर शाम हुए हमले के बाद इसके पीछे आतंकी कनेक्शन की भी जांच शुरू हो गई है। एडीजी अखिल कुमार ने बताया कि रविवार की शाम 7 बजे मंदिर के मुख्य द्वार से एक युवक ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की थी। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के रोकने पर युवक ने धारदार हथियार से उन पर हमला बोल दिया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने घायल होने के बाद भी आरोपी युवक पर काबू पाया। घायल पीएसी के दोनों जवानों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एडीजी ने बताया कि शुरुआती जांच में युवक की पहचान अहमद मुर्तजा के तौर पर हुई है जो गोरखपुर के सिविल लाइन इलाके का रहने वाला है। हमलावर युवक घटना के दौरान धार्मिक नारे भी लगा रहा था। फिलहाल गिरफ्तारी के दौरान हमलावर युवक भी घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किसी भी एंगल को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। खासतौर पर टेरर एंगल को भी रुलआउट नहीं किया जा सकता है। एडीजी ने जोर देकर कहा है कि मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री आवास भी है। ऐसे में यह एक गंभीर मामला है। जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि हमलावर युवक अहमद मुर्तुजा के पास से हवाई टिकट, लैपटॉप और पैन कार्ड मिला है। इस बात की भी जानकारी मिली है कि वह मुंबई में केमिकल इंजीनियर की नौकरी करता था।

संक्षिप्त खबरें

बस ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटे की मौत

बरेली। बदायूं-मेरठ हाइवे पर एक अनियंत्रित रोडवेज बस ने बाइक से जा रहे एक दंपति को टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार महिला व उसके 11 माह के मासूम बेटे की मौत हो गई जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मां बेटे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है । थाना जरीफनगर के गांव पडरिया निवासी राजेश पुत्र राधेश्याम अपनी पत्नी मीना और 11 माह के पुत्र जीवेश व बेटी के साथ अपनी ससुराल अल्लीपुर मिलक जिला अमरोहा बाइक से जा रहे थे। जहां उनके साले का सोमवार को लग्न होना था। दोपहर में वह घर से निकले थे लेकिन वह जैसे ही अपने गांव से करीब सौ दो सौ मीटर आगे निकले तभी बदायूं मेरठ हाईवे पर पहुंचे नोएडा डिपो की बस ने पीछे से दंपति की बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक पर बैठे दंपति व उनके दोनों मासूम बच्चे हाइवे पर गिर गए। बस के पहिए से कुचलकर सवा माह के मासूम जीवेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल पत्नी को चालक ने बस भगाने के प्रयास में कुचल दिया जिससे उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों बस चालक को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मां मीना व बेटे जीवाश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना में डेढ बर्ष की मासूम वर्षा और पिता राजेश घायल हो गए हैं।

बड़े हादसे से बची काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस

अमरोहा। रविवार को चटकी पटरी पर काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस दौड़ पड़ी लेकिन ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों की जान बच गई। घटना की जानकारी मिलते ही रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में कर्मियों को बुलाकर लाइन को दुरूस्त किया गया। करीब 55 मिनट बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना की गई। इसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। नई दिल्ली से चलकर काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस अमरोहा रेलवे स्टेशन पर करीब शाम पांच बजे आकर ठहरी। वहां से ट्रेन मुरादाबाद के लिए रवाना हुई। अभी ट्रेन ने गति पकड़ी ही थी कि अचानक श्मशान घाट के पास ट्रैक की लाइन चटक गई जिससे ट्रेन झटके मारने लगी। ड्राइवर ने तुरंत ब्रेक लगाकर उसको रोक दिया। नीचे उतरकर देखा तो लाइन चटकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद चटकी लाइन ठीक की गई। इसके बाद ट्रेन को रवाना किया। तब कहीं जाकर यात्रियों ने राहत महसूस की। स्टेशन अधीक्षक सरदार सिंह ने बताया कि डाउन मार्ग पर अचानक रेलवे लाइन चटकने से ट्रेन रुक गई थी। करीब 55 मिनट ट्रेन खड़ी रही। ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

फोटो:4 पीएम

वितरण इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ प्रेरणा ने स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य दस गरीब महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की। इस मौके पर क्लब की अध्यक्षा राधिका के अलावा निवेदिता, नेहा, शिखा आदि मौजूद रहीं।

बढ़ेगा सूरज का सितम, तेज लू का अलर्ट

» राजधानी में 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है तापमान

गीताश्री

लखनऊ। यूपी के सभी जिलों में इन दिनों भीषण गर्मी और लू चल रही है। अप्रैल की शुरुआत में ही सूरज का सितम बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। विभाग ने तेज लू का अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूपी के तापमान में और इजाफा होगा। इस दौरान तेज लू भी चल सकती है। निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि इस हफ्ते तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस का और इजाफा हो सकता है जिससे लखनऊ का अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि इससे पहले मार्च की शुरुआत में पश्चिमी हवाएं आती रही हैं, जिससे गर्मी से राहत मिलती थी। हालांकि इस बार इन हवाओं ने धोखा दे दिया। पश्चिमी हवाओं के चलने के बाद ही गर्मी से राहत मिलेगी। लखनऊ में आज दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं वाराणसी में अधिकतम तापमान 42 डिग्री तथा

पश्चिमी हवाएं नहीं चलने से बढ़ी गर्मी

न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस, आगरा में अधिकतम 42 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री जबकि प्रयागराज में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

मुठभेड़ में तीन बैंक लुटेरे गिरफ्तार रुपये बरामद

» बुलंदशहर के स्याना बैंक से की थी लूटपाट, असलहा तथा बाइक बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। बुलंदशहर पुलिस को रविवार देर रात बड़ी सफलता मिली। स्वाट टीम व स्याना पुलिस ने स्याना बैंक में लूटपाट करने वाले नकाबपोश हथियारबंद तीनों बदमाशों को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया है। पुलिस ने बदमाशों से लूटी गई रकम व अवैध असलहा तथा बाइक बरामद की है।

एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि स्वाट टीम व स्याना पुलिस स्याना कोतवाली की चिंगरावठी चौकी के समीप रविवार रात वाहनों की चेकिंग कर रही थी। स्याना की तरफ से बाइक सवार तीन लोग आते दिखाई दिए। रूकने का इशारा करने पर सवार बाइक को बाहर की तरफ मुड़कर दौड़ाने लगे। पुलिस ने चारों तरफ से घेराबंदी कर बदमाशों को घेर लिया। चारों तरफ से अपने आप को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में बाइक सवार तीनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। बदमाशों की पहचान रवि चौधरी पुत्र विकास निवासी खादमोहन नगर थाना स्याना व चिराग अहलावत पुत्र मनेन्द्र निवासी बड्डा वाजिदपुर थाना स्याना तथा सागर त्यागी पुत्र मुकेश त्यागी निवासी थलइनायतपुर थाना स्याना के रूप में हुई। घायल बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि स्याना बैंक से 132350 रुपये की लूट की थी। पुलिस ने बदमाशों से लूटी गई रकम में से 1173500 रुपये की धनराशि भी बरामद की है। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएससी में भर्ती कराया है। लूटी गई रकम में से बदमाश रवि ने रविवार को 1.5 लाख रुपये की धनराशि अपने भाई को दे दी थी। पुलिस बदमाश के भाई से 1.5 लाख की रकम को बरामद करने के प्रयास में जुट गई है।

रामपुर के एक शख्स की योगी सरकार से गुहार

साहब! मेरा घर अवैध है, बुलडोजर चलवा दें

» एसडीएम को पत्र लिखकर की अपील लोगों ने किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। योगी सरकार के बुलडोजर का खौफ ऐसा है कि रामपुर के एक शख्स ने खुद ही एसडीएम से अपने अवैध रूप से निर्मित घर को ढहाए जाने की गुहार लगाई है। एसडीएम अशोक चौधरी को एक पत्र लिखकर एहसान मियां नाम के शख्स ने अपने घर को गिराने की अपील की है। उसका कहना है कि उसके घर का कुछ हिस्सा एक सूखे तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर बना है जो कि सरकारी जमीन है, लिहाजा इसे गिरा दिया जाए।

एसडीएम अशोक चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में एहसान मियां की बात सही साबित हुई है। उन्होंने बताया कि शाहाबाद तहसील क्षेत्र के मित्रपुर एहरोला गांव में कई ऐसे मकान हैं जो कि सूखे तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर बनवाए गए हैं। लिहाजा आगे जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी।

उधर एहसान मियां ने बताया कि उसका परिवार इस घर में करीब दो पीढ़ियों से रह रहा है। हाल में उसे पता चला कि उसका घर वक्फ बोर्ड और सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बना हुआ है इसलिए मैंने इसे गिराने के लिए आवेदन किया है। अब यह मामला सामने आ गया है कि कई घर अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बने है। इस खुलास के बाद एहसान मियां को अब जान का खतरा भी सताने लगा है क्योंकि उसकी एप्लीकेशन की वजह से कई घरों पर कार्रवाई होने की पूरी संभावना है।

एहसान की इस अर्जी की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने उसका विरोध शुरू कर दिया है। आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों का कहना है कि अगर एहसान का मकान टूटता है तो उनके घर भी कार्रवाई के दायरे में आ जाएंगे।

जू में अठखेलियां करते दिखे टाइगर

लखनऊ। गर्मी का प्रकोप शुरू हो चुका है। लखनऊ में दिन का तापमान 40 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। भीषण गर्मी के चलते पशु-पक्षी भी पानी की तलाश के साथ-साथ पेड़ों की छांव ढूढ़ने लग गए हैं। लखनऊ जू में सोमवार को गर्मी से बचने के लिए वाटर पूल में अठखेलियां करते दिखे टाइगर।

बेसिक शिक्षा सुधरी तो आसान होगी आगे की राहः सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दो साल बाद फिर शुरू हुआ स्कूल चलो अभियान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में स्कूल चलो अभियान को मिशन के रूप में लिया है। उनका लक्ष्य साक्षरता दर में पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने का है। इसी क्रम में उन्होंने साक्षरता दर में सबसे पिछड़े जनपद श्रावस्ती से प्रदेशव्यापी स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी ने अपनी दूसरी पारी में प्रदेश की प्राइमरी तथा बेसिक शिक्षा के स्तर को सुधारने के साथ ही सभी जिलों में सारक्षता दर को आगे बढ़ाने की मुहिम छेड़ दी है।

मुख्यमंत्री ने आज प्रदेश के सबसे कम साक्षरता दर वाले श्रावस्ती जिले से राज्य भर में स्कूल चलो अभियान शुरू किया। इनका लक्ष्य श्रावस्ती के साथ प्रदेश के अन्य पिछड़े जिलों को साक्षरता की मुख्यधारा में लाने का है। योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करने के लिए प्रदेश की बेसिक शिक्षा को दुरुस्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि व नागरिक स्कूलों को गोद लें। हम-आप मिलकर शिक्षक सुधार करेंगे। शिक्षकों के साथ जनप्रतिनिधि व नागरिक शैक्षिक सुधार पर काम करें। एक-एक स्कूल गोद लें। वहां हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे। बेसिक शिक्षा सुधरी तो आगे की शिक्षा भी दुरुस्त हो जाएगी। उन्होंने कहा वर्ष 2017 से पूर्व परिषदीय स्कूल बदहाल थे। पढ़ने-लिखने का माहौल ठीक नहीं था। इसे पटरी पर लाने के लगातार प्रयास हो रहे है। मिशन कायाकल्प के तहत स्कूलों की तस्वीर बदली जा रही है। हमारे स्कूल दिखने में सुंदर हो यह जरूरी है। स्कूल में व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ हमें छात्र-छात्राओं की उपस्थिति पर भी काम करना है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि शत प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएं। इसके लिए अभिवाकों को प्रेरित करें। शिक्षक घर-घर जाकर अभिवाकों से बच्चों को स्कूल भेजने के लिए कहें। कोई बच्चा स्कूल नहीं आया है तो उनका कारण जाने।

हमारी संस्कृति को कोई छिन्न भिन्न नहीं कर पायाः पाठक

» हिंदी अपनाने के लिए चलाना होगा अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने एक कार्यक्रम में कहा कि हिंदी को अपनाने के लिए अभियान चलाना पड़ेगा। शायद ही कोई देश होगा जहां पर कानून होगा कि अगर वहां की भाषा नहीं बोलोगे तो दंड लगेगा। दक्षिण भारत समेत कई प्रदेश हैं जहां पर ऐसा प्रावधान है कि यदि 45 प्रतिशत कार्य हिंदी में नहीं करते हैं तो दंड लगेगा। उत्तर प्रदेश में हिंदी को लेकर कोई समस्या नहीं है। पूरे देश में इस तरह की परंपरा बनानी होगी।

ब्रजेश पाठक ने कहा हिंदी में जो लिखा जाता है वही पढ़ा जाता है। जैसे किष्किंधा, शत्रुघ्न, माता कौशल्या जैसे लिखेंगे वैसे ही पढ़ेंगे। हिंदी भाषा प्रतिदिन अंग्रेजी शब्दों को भी अपने शब्दकोश में शामिल कर रही है, जैसे- टॉवर मोबाइल, रिचार्ज...। दूसरी तरफ यदि अंग्रेजी की बात करें तो सीएच शब्द से केमिस्ट्री भी बनती है और सीएच से चोपड़ा भी बनता है। किसी से यदि पूछो ऐसा क्यों तो वह यही कहता है कि पहले से ही परंपरा चलती आ रही है। किसी डिक्शनरी में ऐसा नहीं है कि ऐसा क्यों हुआ है। नाइफ शब्द में 'के' साइलेंट है, जब साइलेंट है तो उसे लिखते क्यों हैं। ऐसा ही नॉलेज में भी होता है। ऐसे सैकड़ों शब्द हैं, इसके पीछे कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं है। यही होता आया है कि अंग्रेजी में कुछ भी बोलो यही सही है। जबकि हिंदी को लेकर लोगों में झिझक है। हमारे अंदर इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम जो कहें वही सही है। हिंदी में क्या नहीं लिखा गया। हमारे वेद, हमारी संस्कृति, हमारे पुराण हिंदी और संस्कृत में हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 200 साल गुलामी के बाद अंग्रेजी हुकुमत हमारे दिलो-दिमाग पर इस कदर हावी हो गई थी कि भारतीयता को हम भूलने लगे, लेकिन हम अपनी परंपराओं को नहीं भूले।

पार्टी को खड़ा करने के लिए नेताओं से संवाद बढ़ाकर अंदरूनी मतभेदों को मिटाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों की ताजा चुनावी हार की चुनौतियों से रूबरू हो रही कांग्रेस को छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के इस खुलासे ने बेहद सतर्क कर दिया है कि आम आदमी पार्टी ने उनसे संपर्क साधा था।

» चुनावी राज्यों में कांग्रेस नेताओं को टटोलने की आप की सक्रियता से सतर्क हुई पार्टी

पंजाब की बड़ी जीत के बाद अन्य चुनावी राज्यों में पांव पसारने की आप की शुरू की गई कोशिशों के बीच सिंह देव के इस खुलासे को कांग्रेस अपने नेताओं को तोड़ने की एक नई सियासी चुनौती के रूप में देख रही है। इसके मद्देनजर ही पार्टी ने चुनावी राज्यों हिमाचल प्रदेश और गुजरात के साथ ही छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे प्रदेश इकाईयों को आप के सियासी जाल फेंकने की कोशिशों को लेकर आगाह कर दिया है। साथ ही इन राज्यों के प्रभारियों को अपने प्रभार वाले सूबों के नेताओं से संवाद बढ़ाते हुए पार्टी की एकजुटता को बाहरी सियासी सेंधमारी से बचाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने को भी कहा गया है। चुनावी राज्यों में आप की बढ़ती सक्रियता को कांग्रेस अपने राजनीतिक आधार में सेंध लगाने की बड़ी चुनौती मान रही है और ऐसे में आप उसके नेताओं को तोड़ती है तो यह पार्टी को दोतरफा नुकसान पहुंचाएगा। बीते सात-आठ सालों के दौरान कांग्रेस के लगातार गिरते सियासी ग्राफ में उसके नेताओं के पाला बदलने या तोड़े जाने की भी बड़ी भूमिका रही है। इस दौरान अब तक भाजपा ने मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रभावी नेताओं को पाला बदलने के लिए लुभाया तो कुछ ने अपने साथ हुए सलूक से नाराज होकर न केवल पार्टी छोड़ी बल्कि कांग्रेस का बड़ा राजनीतिक नुकसान किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।